कला, विज्ञान, वाणिज्य एवं बी.एड. संकायों की नैक (B^{++}) प्रत्यायित संस्था

दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय

सिविल लाइन्स, गोरखपुर–273001

सम्बद्ध : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

दिगंत

ई-पत्रिका:अक्टूबर-2024

उत्तर प्रदेश शासन द्वारा 'अ' श्रेणी में वर्गीकृत

Website : www.dnpgcollege.edu.in **Helpline Email** : dnpgonline@gmail.com

Office Email : dnpggkp@gmail.com **Contact Number** : 0551-2334549

For Social App links (Click one icon) :

दिगंत-ई-पत्रिका:अक्टूबर-2024

संरक्षक मण्डल

परमपूज्य गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जी महाराज

मुख्य संरक्षक

प्रो.उदय प्रताप सिंह
अध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

श्री प्रमोद कुमार चौधरी
उपाध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

सम्पादक मण्डल

प्रो. ओम प्रकाश सिंह,प्राचार्य

प्रधान सम्पादक

1. **डॉ. सुभाष चन्द्र,** सहायक आचार्य, बी.एड. विभाग
2. **डॉ. विभा सिंह,** सहायक आचार्य, हिन्दी विभाग
3. **डॉ. प्रियंका सिंह,** सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग
4. **श्री अश्वनी कुमार श्रीवास्तव,** तकनीकी सहायक

October-2024

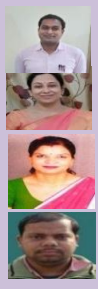

कार्यक्रम विवरण-

क्र.सं.	दिनांक एवं दिन	विभाग का नाम	कार्यक्रम का नाम	पेज नं.
1.	01.10.2024 मंगलवार	बी.एड. विभाग	स्वच्छता पखवाड़ा	1
2.	07.10.2024 सोमवार	अर्थशास्त्र विभाग	अभिविन्यास कार्यक्रम	1–2
4.	08.10.2024 मंगलवार	रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग	प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता	2–3
5.	08.10.2024 मंगलवार	वाणिज्य विभाग	एक दिवसीय कार्यशाला	3
6.	09.10.2024 बुधवार	राजनीति विज्ञान विभाग	अतिथि व्याख्यान	4
7.	15.10.2024 मंगलवार	वाणिज्य विभाग एवं प्लेसमेंट सेल	कैरियर काउसिलिंग	5
8.	18.10.2024 शुक्रवार	हिन्दी विभाग	दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन	6–7
9	19.10.2024 शनिवार	हिन्दी विभाग	दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन	7–8
10.	21.10.2024 सोमवार	महाविद्यालय एवं साइंसटेक इन्स्टीट्यूट	सप्तदिवसीय फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम प्रथम दिवस	9–10
11.	22.10.2024 मंगलवार	महाविद्यालय एवं साइंसटेक इन्स्टीट्यूट	सप्तदिवसीय फैकेल्टी डेवलपमेंट द्वितीय दिवस	10–11
12.	23.10.2024 बुधवार	महाविद्यालय एवं साइंसटेक इन्स्टीट्यूट	सप्तदिवसीय फैकेल्टी डेवलपमेंट तृतीय दिवस	11
13.	23.10.2024 बुधवार	वाणिज्य विभाग	इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग/सर्वे	12

14.	24.10.2024 गुरूवार	महाविद्यालय एवं साइंसटेक इन्स्टीट्यूट	सप्तदिवसीय फैकेल्टी डेवलपमेंट चतुर्थ दिवस	12–13
15.	25.10.2024 शुक्रवार	महाविद्यालय एवं साइंसटेक इन्स्टीट्यूट	सप्तदिवसीय फैकेल्टी डेवलपमेंट पंचम दिवस	13–14
16.	26.10.2024 शनिवार	प्राचीन इतिहास विभाग	अभिनन्दन समारोह	14
17.	26.10.2024 शनिवार	बी.एड. विभाग	नवागत छात्रों का स्वागत समारोह	15–16
18.	26.10.2024 शनिवार	महाविद्यालय एवं साइंसटेक इन्स्टीट्यूट	सप्तदिवसीय फैकेल्टी डेवलपमेंट छठवॉ दिवस	16–17
19.	27.10.2024 रविवार	महाविद्यालय एवं साइंसटेक इन्स्टीट्यूट	सप्तदिवसीय फैकेल्टी डेवलपमेंट का समापन समारोह	17
20.	28.10.2024 सोमवार	हिन्दी, संस्कृत व अंग्रेजी विभाग	स्मृति व्याख्यानमाला का द्वितीय व्याख्यान	18–19
21.	28.10.2024 सोमवार	एन.सी.सी.	पी.एम.सौभाग्य योजना पर संगोष्ठी	19
22.	29.10.2024 मंगलवार	महाविद्यालय	राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस व प्राचार्य जी के सफलतम कार्यकाल के तीन वर्ष पूर्ण होने पर कार्यक्रम	20
23.	29.10.2024 मंगलवार	कम्प्यूटर साइंस विभाग	पेटेंट कार्यालय भारत से मिला पेटेंट ग्रांट	21

October-2024

प्रशिक्षुओं ने ली स्वच्छता की शपथ

दिनांक 01.10.2024 को महाविद्यालय के शिक्षक शिक्षा विभाग में स्वच्छता पखवारा (दिनांक 16 सितंबर, 2024 से 2 अक्टूबर 2024) के अंतर्गत बी.एड. प्रथम सेमेस्टर के प्रशिक्षुओं द्वारा विभाग एवं परिसर की सफाई की गई एवं उन्हें स्वच्छता की शपथ दिलाई गई।

इस अवसर पर प्रदुम्न दूबे, तेजेंद्रनाथ मिश्र, मिथिलेश पांडेय, प्रेम प्रकाश, नितेश शर्मा ने स्वच्छता के महत्व को इंगित करते हुए उसे अपनाने एवं उसे बढ़ावा देने हेतु अपने विचार व्यक्त किए। हेमा गुप्ता एवं हर्षिता कश्यप ने अपनी स्वरचित कविता के माध्यम से प्रशिक्षुओं को स्वच्छता अपनाने हेतु जागरूक एवं प्रेरित किया।

अभिविन्यास कार्यक्रम

दिनांक 07.10.2024 को महाविद्यालय, गोरखपुर के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा स्नातक प्रथम सेमेस्टर के नव प्रवेशित विद्यार्थियों हेतु अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों को महाविद्यालय के सभी भौतिक संसाधनों एवं उत्कृष्ट शिक्षण के विभिन्न आयामों से परिचित कराया गया एवं महाविद्यालय की मातृ संस्था महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

इस अभिविन्यास कार्यक्रम में विद्यार्थियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत अपनाई गई सीबीसीएस प्रणाली के बारे में जानकारी दी गई साथ ही पाठयक्रम में सम्मिलित मेजर, माइनर कोर्स एवं रिसर्च प्रोजेक्ट के महत्व को भी बताया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने नव प्रवेशित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश में दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सबसे अग्रणी संस्था है। उच्च शिक्षण के बदलते प्रतिमानों एवं नए शिक्षण पद्धति के अनुरूप महाविद्यालय अपने शैक्षिक उन्नयन का कार्य कर रहा है। इस अवसर पर अर्थशास्त्र विभाग के प्रभारी डॉ दीपक कुमार सिंह ने कहा कि अर्थ के बिना जीवन व्यर्थ है। यह विषय आर्थिक समस्याओं के निराकरण में महती भूमिका निभाता है। इस अवसर पर समाजशास्त्र विभाग की प्रभारी प्रो अर्चना सिंह, श्री विवेकानंद, डॉ सुनील सिंह, डॉ सरिता सिंह, डॉ समृद्धि सिंह, श्री आशुतोष दुबे एवं समस्त विद्यार्थी उपस्थित रहें।

रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन

दिनांक 8 अक्टूबर 2024 को दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा वायु सेना दिवस के अवसर पर बी.ए. भाग एक एवं दो (प्रथम तथा तृतीय सेमेस्टर) के विद्यार्थियों के मध्य प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया। वही भाग तीन (पंचम सेमेस्टर) के विद्यार्थियों का आंतरिक परीक्षा ली गई। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में बी.ए.भाग–एक (प्रथम सेमेस्टर) के एक सौ पचास विद्यार्थियों ने भाग लिया जिसमें क्रमशः प्रथम स्थान शीतल सिंह, द्वितीय स्थान अभयनंद तथा तृतीय स्थान मुस्कान श्रीवास्तव ने प्राप्त किया। वहीं बी.ए. भाग–दो (तृतीय सेमेस्टर) में एक सौ दस विद्यार्थियों ने भाग लिया जिसमें क्रमशः प्रथम स्थान अनामिका यादव, द्वितीय स्थान शिवानी भारती तथा तृतीय

स्थान अंजली शर्मा ने प्राप्त किया। इस अवसर पर रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के प्रभारी डॉ. राम प्रसाद यादव ने प्रतियोगिता में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में विभागीय शिक्षक डॉ. शुभ्रांशु शेखर सिंह तथा विकास कुमार पाठक एवं राजनीतिक विज्ञान विभाग के प्रभारी श्री इंद्रेश कुमार पांडे उपस्थित रहे।

वाणिज्य विभाग द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

दिनांक 08.10.2024 को महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा एम.कॉम. प्रथम सेमेस्टर एवं द्वितीय सेमेस्टर के छात्र–छात्राओं के लिए रिसर्च प्रोजेक्ट पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें वाणिज्य विभाग के शिक्षकों द्वारा रिसर्च प्रोजेक्ट तैयार करने की विधि पर विशिष्ट व्याख्यान दिया गया जिसमें मुख्य रूप से डॉ. सुभाष कुमार गुप्ता द्वारा पी.पी.टी. के माध्यम से शोध प्रस्ताव तैयार करने की प्रक्रिया को उदाहरण सहित प्रस्तुत किया एवं डॉ. अभय कुमार मालवीय ने शोध प्रस्ताव के सिद्धांत एवं व्यावहारिक पक्ष की व्याख्या की। वाणिज्य विभाग के प्रभारी डॉ. संजीव कुमार सिंह द्वारा माइनर और मेजर रिसर्च प्रोजेक्ट के अंतर की व्याख्या करने के साथ दी। प्रोजेक्ट के निष्कर्ष से मिलने वाले लाभ के बारे में भी बताया गया। डॉ. संजय कुमार त्रिपाठी ने रिसर्च प्रोजेक्ट के मूल्यांकन के बारे में बताया। कार्यक्रम का संचालन श्री दीपक कुमार साहनी ने किया एवं आभार ज्ञापन डॉक्टर चंडी प्रसाद पांडे ने किया। इस अवसर पर विभाग के सभी छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित अतिथि व्याख्यान

दिनांक 9.10.2024 महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसका विषय था 'एक देश एक चुनाव : उपयोगिता एवं चुनौतियां'। व्याख्यान के मुख्य वक्ता डॉ. महेंद्र कुमार सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर राजनीति विज्ञान विभाग दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर थे।

इस असवर उन्होंने कहा कि आज इस बात पर विचार किया जा रहा है कि पुनः एक देश एक चुनाव की व्यवस्था बहाल की जाए, क्योंकि एक बार चुनाव कराने में लगभग 60 हजार करोड़ रुपये खर्च होते हैं जिसका उपयोग लोक नीतियों के क्रियान्वयन में किया जा सकता है और यदि यह व्यवस्था लागू की गई तो संघीय व्यवस्था पर प्रभाव पड़ेगा साथ ही संविधान के कुछ उपबंधों में परिवर्तन की आवश्यकता पड़ेगी जो सरल मार्ग नहीं है। इस कार्य को करने के लिए सभी राजनीतिक दलों एवं लोक मानस को कृत संकल्पित होना होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक उपस्थित थे।

वाणिज्य विभाग एवं प्लेसमेंट सेल द्वारा कैरियर काउंसलिंग

दिनांक 15.10.2024 को महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग एवं प्लेसमेंट सेल के संयुक्त तत्वाधान में बी.कॉम., एम.कॉम., बी.ए. एवं बी.एस.सी के विद्यार्थियों हेतु कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता अवनीश चतुर्वेदी, मार्केटिंग मैनेजर, एमिटी यूनिवर्सिटी, लखनऊ थे। उन्होंने विद्यार्थियों को कैरियर काउंसलिंग विषय पर संबोधित करते हुए कहा कि कैरियर काउंसलिंग की मदद से विद्यार्थी अपने अंदर के हुनर को पहचान पाते हैं जिससे उन्हें कैरियर का चयन करने में कोई परेशानी नहीं होती है। जिस विद्यार्थी की रूचि जिस क्षेत्र में रहती है, उस क्षेत्र में कैरियर काउंसलिंग की मदद से एक स्पष्ट सोच विकसित की जाती है। जिससे उसके स्किल में निखार आ सके।

कार्यक्रम की प्रस्ताविकी प्लेसमेंट सेल संयोजक डॉ. पवन कुमार पाण्डेय द्वारा, संचालन श्री दीपक कुमार साहनी ने किया गया तथा आभार ज्ञापन कार्यक्रम अध्यक्ष वाणिज्य विभाग के प्रभारी डॉ. संजीव कुमार सिंह के द्वारा किया गया।

'रामकथा : लोक और शास्त्र' विषय पर दो द्विवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन

दिनांक 18.10.2024 को उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ द्वारा पोषित 'साहित्यार्चन' हिन्दी विभाग तथा गोरखनाथ साहित्यिक केन्द्र दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर के संयुक्त तत्वावधान में **'रामकथा : लोक और शास्त्र'** विषय पर दो द्विवसीय **राष्ट्रीय संगोष्ठी** का आयोजन किया गया। उद्घाटन के अवसर पर **मुख्य–वक्ता आचार्य ईश्वरशरण विश्वकर्मा पूर्व अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज** थे। उक्त अवसर पर उन्होने 'इतिहास बोध व पुरातात्विक परिवेश' विषय पर अपना विचार प्रस्तुत किया। उन्होंने वाल्मीकि रामायण के बालकाण्ड में उल्लिखित राम के व्यक्तित्व के 75 गुणों की चर्चा किया।

विशिष्ट अतिथि श्री रामजन्म सिंह, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद थे। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि रामकथा उस पुत्र की कथा है जिसके माता–पिता अपने को सौभाग्यशाली मानते हैं। राम भारतीय संस्कृति के मूर्तिमान विग्रह हैं। वह पीड़ितों, वंचितों, शोषितों को न्याय दिलाने के लिए समर्पित रहते हैं। वास्तव में राम के गुण के केन्द्र की परिधि पर असंख्य गुणों का विस्तार है।

विशिष्ट अतिथि श्री रणविजय सिंह, पूर्व एन.ई.रेलवे अधिकारी थे। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि विविध भाषाओं में एवं विविध क्षेत्रों में रामकथा की महत्ता व्याप्त है। राम को लोक आदर्श के

रूप में ही देखना चाहता है। वाल्मीकि जी ने रामकथा संस्कृत में लिखा परन्तु गोस्वामी तुलसीदास ने जन–जन तक पहुँचाने के लिए लोकभाषा में रामकथा का प्रसार किया।

संगोष्ठी में **डॉ. अमिता दुबे, प्रधान सम्पादक, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ** ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि मानस का उत्तर काण्ड भारतीय जीवन की आचार संहिता है, जिससे जीवन जीने की प्रेरणा व दिशा निर्देशन मिलता है। हिन्दी संस्थान साहित्यिक योजनाओं के साथ ही प्रकाशन में भी अतिमहत्वपूर्ण लगभग 720 पुस्तकों का प्रकाशन किया है।

संगोष्ठी की **अध्यक्षता आचार्य सदानन्द प्रसाद गुप्त, पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ थे। इस अवसर पर उन्होंने** कहा कि हमारी भारतीय ज्ञान परम्परा सनातनी गंगा प्रवाह है, जिसमें सातत्य है। इसी सातत्य प्रवाह की परम्परा में रामकथा भी है। अपनी संस्कृति को खोकर कोई भी देश जीवित नही रह सकता। भारत की सनातन संस्कृति अपूर्व है और उसकी परम्परा महिमामयी है। वाल्मीकि जी ने राम के सत्यवादिता, धर्माचरण, शील व संघर्षशीलता पर विशेष चर्चा किया है।

कार्यक्रम में आभार ज्ञापन करते हुए महाविद्यालय के **प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह** ने कहा कि हमारे आदर्श वनवासी राम है, जो हमारे सनातन संस्कृति के कीर्ति स्तम्भ हैं। **राष्ट्रीय संगोष्ठी** के उद्‌घाटन अवसर पर तीन पुस्तकों, जिसमें संगोष्ठी का प्रीसीडिंग, **'पुनि–पुनि रघुपति कथा प्रसंगा'**–सम्पादक डॉ. विभा सिंह, **'सुमित्रा नंदन पंत के प्रकृति चित्रण का ज्ञानमीमांसात्मक चिंतन'**–डॉ. रीना मद्धेशिया एवं **'हिन्दी भक्ति काव्य चेतना की जय यात्रा'**–डॉ. मित्रपाल सिंह का लोकार्पण किया गया।

'रामकथा : लोक और शास्त्र' विषय पर दो द्विवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

दिनांक 19.10.2024 को उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ द्वारा पोषित 'साहित्यार्चन' हिन्दी विभाग तथा गोरखनाथ साहित्यिक केन्द्र दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, **गोरखपुर** के संयुक्त तत्वावधान में **'रामकथा : लोक और शास्त्र'** विषय पर दो दिवसीय **राष्ट्रीय संगोष्ठी** के समापन अवसर पर **मुख्य अतिथि** डॉ. श्यामनन्दन, महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी थे। उक्त अवसर पर उन्होंने कहा कि राम का नाम लेने से ही हर व्यक्ति का भला होता है। इस देश के गरिमा को इंगित करते हुए उन्होंने आने वाली पीढ़ी के युवाओं में राम के व्यक्तित्व की परिपूर्णता की बात कही। उन्होंने **''संशय की एक रात''** का उल्लेख करते हुए राम के भीतर युद्ध के लिए चल रहे संशय को स्पष्ट करते हुए मर्यादा पुरूषोत्तम राम के व्यक्तित्व को विस्तार से स्पष्ट किया। **विशिष्ट अतिथि** डॉ. बब्लू पाल, महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी ने कहा कि राम को हम जबतक व्यक्तिनिष्ठ होकर देखेंगे तब तक उन्हें नहीं समझ सकते, राम को समझने के लिए वस्तुनिष्ठ होकर समझना होगा। कार्यक्रम की **अध्यक्षता** कर रहे डॉ. सत्यप्रकाश तिवारी, शिवपुर दीनबन्धु इंस्टीटयूशन कॉलेज, हाबड़ा ने कहा कि समाज में जब भी रावण जैसा व्यक्तित्व जन्म लेता है तो धर्म व समाज के रक्षार्थ श्री राम को भी जन्म लेना पड़ता है। उन्होंने नेपाली काव्य में रामायण अनुवाद के कारण भानुभक्त की प्रसिद्धि को व्यक्त करते हुए इन्हें नेपाल का तुलसी बताया।

उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान की प्रधान सम्पादक डॉ. अमिता दुबे ने संगोष्ठी की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि राम कथा मानव जीवन में विशेष पाथेय प्रदान करती है। **कार्यक्रम में आभार ज्ञापन करते हुए महाविद्यालय** के **प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह** ने राम को काल्पनिक बताने वाले नास्तिकों के प्रति विचार व्यक्त करते हुए **राम हुए है कितने और प्रमाण दे.....**से स्पष्ट किया कि राम अलौकिक, युगनायक, मानवता के उद्धारक व जनमानस के केन्द्र विन्दु हैं।

राष्ट्रीय संगोष्ठी के तृतीय एवं चतुर्थ तकनीकी सत्र में कुल 22 शोध पत्रों का वाचन किया गया। उक्त अवसर पर अतिथि परिचय प्रो. नित्यानन्द श्रीवास्तव, प्रभारी हिन्दी विभाग ने व संचालन डॉ. विभा सिंह, संगोष्ठी सह–संयोजक ने किया।

सप्तदिवसिय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के प्रथम दिन

दिनांक 21.10.2024 को महाविद्यालय एवं साइंस टेक इंस्टीट्यूट लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में जूम एप के माध्यम से आयोजित सप्तदिवासिय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन हुआ। प्रोग्राम के प्रथम दिन मुख्य वक्ता डॉ. विनीत कुमार, बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय लखनऊ थे। प्रोग्राम का विषय 'उन्नत खोज उपकरण और संदर्भ उपकरण' था। इस विषय पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि अनुसंधान के क्षेत्र उपकरण और संदर्भ उपकरण सभी निर्धारण स्थितियों और पैटर्न को प्रभावित करते हैं। अनुसंधान के लिए इस्तेमाल होने वाले उपकरण भौतिक और डिजिटल दोनों हो सकते हैं। भौतिक उपकरणों में प्रयोगशाला उपकरण और सर्वेक्षण उपकरण शामिल हैं। डिजिटल उपकरणों में सॉफ़्टवेयर और ऑनलाइन डेटाबेस शामिल हैं. अनुसंधान उपकरणों का इस्तेमाल विभिन्न विषयों और शोध डोमेन में

अनुसंधान करने के लिए किया जाता है। **सह–संरक्षक प्रो. ओम प्रकाश सिंह, प्राचार्य, दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज गोरखपुर ने साप्ताहिक कार्यक्रम को सफल होने के लिए शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती श्वेता सिंह (चेयरमैन मनराज कुंवर सिंह एजूकेशनल सोसाइटी) लखनऊ द्वारा किया गया। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. परीक्षित सिंह ने सभी अतिथियों सहित प्रतिभागियों के प्रति आभार ज्ञापित किया।**

सप्तदिवसिय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के दूसरे दिन

दिनांक 22.10.2024 को महाविद्यालय एवं साइंस टेक इंस्टीट्यूट लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में जूम एप के माध्यम से आयोजित सप्तदिवासिय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के दूसरे दिन मुख्य वक्ता डॉ. मौसमी बोरल, एसोसिएट प्रोफेसर, सत्यप्रिय रॉय कॉलेज ऑफ एजुकेशन, कोलकाता थे। कार्यक्रम का विषय 'अनुसंधान डिज़ाइन, प्रकार एवं अनुसंधान दर्शन' था। विषय पर बोलते हुए उन्होने कहा कि सामान्य तौर पर, सभी शोध प्रश्नों का निर्माण उत्तर देने के उद्देश्य से किए जाते हैं। उत्तर दिए जाने वाले प्रश्न का प्रकार और उत्तर का उपयोग करने का तरीका यह निर्धारित करता है कि किस प्रकार का शोध किया जाना है। शोध डिजाइन वह ढांचा या वैचारिक संरचना है जिसके अंतर्गत शोध किया जाता है। इसमें शोध तत्व, पद्धतियाँ और प्रक्रियाएँ शामिल होती हैं जिनका उपयोग शोधकर्ता अध्ययन करने के लिए करता है। **प्रो. ओम प्रकाश सिंह, प्राचार्य,**

दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज गोरखपुर ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. परीक्षित सिंह ने सभी अतिथियों सहित प्रतिभागियों के प्रति आभार ज्ञापन किया।

सप्तदिवसिय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के तीसरे दिन

दिनांक 23.10.2024 को महाविद्यालय एवं साइंस टेक इंस्टीटूट लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में जूम एप के माध्यम से आयोजित सप्तदिवासिय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के तीसरे दिन मुख्य वक्ता डॉ. शांभवी मिश्रा, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ थे। कार्यक्रम का विषय 'अनुसंधान प्रश्नावली डिजाइनिंग और सत्यापन' था। विषय पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि शोध अध्ययनों में, प्रश्नावली का उपयोग आम तौर पर डेटा संग्रह उपकरण के रूप में किया जाता है, या तो सूचना के एकमात्र स्रोत के रूप में या मिश्रित–विधि अध्ययनों में अन्य तकनीकों के संयोजन के रूप में। हालाँकि, प्रश्नावली का उपयोग करके एकत्र किए गए डेटा की गुणवत्ता और सटीकता इस बात पर निर्भर करती है कि इसे कैसे डिज़ाइन, उपयोग और मान्य किया जाता है। उन्होंने शोध प्रश्नावली को कैसे डिज़ाइन किया जाए और कैसे उपयोग और मान्य किया जाए पर विस्तृत चर्चा की।

कार्यक्रम के संयोजक प्रो. परीक्षित सिंह ने सभी अतिथियों सहित प्रतिभागियों का स्वागत किया।

वाणिज्य विभाग द्वारा इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग/सर्वे

दिनांक 23.10.2024 को महाविद्यालय में वाणिज्य विभाग द्वारा बी.कॉम. सेमेस्टर (तृतीय वर्ष) के विद्यार्थियों हेतु इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग/सर्वे कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वाणिज्य विभाग के शिक्षक डॉ अभय कुमार मालवीय ने वाणिज्य, व्यवसाय एवं इंडस्ट्री के मध्य अंतर को समझाते हुए कहा कि इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग या औद्योगिक प्रशिक्षण, छात्रों को वास्तविक कार्य जीवन के अनुभव से परिचित कराकर उन्हें ज़रूरी कौशल सिखाता है।

वाणिज्य विभाग के प्रभारी डॉ संजीव कुमार सिंह इंडस्ट्रीयल ट्रैनिंग/सर्वे रिपोर्ट बनाने की प्रक्रिया को समझाया एवं डॉ. सुभाष कुमार गुप्ता ने मूल्यांकन के बारे में जानकारी दी।

सप्तदिवसिय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के चौथे दिन

दिनांक 24.10.2024 को महाविद्यालय एवं साइंस टेक इंस्टीटूट लखनऊ के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित सप्तदिवसिय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के चौथे दिन मुख्य वक्ता डॉ. एस.के. यादव, बाबा साहब भीम राव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ थे। कार्यक्रम का विषय 'डाटा संग्रह यंत्र, डाटा संग्रह और डेटा विजुअलाइजेशन' था। इस पर बोलते हुए उन्होने कहा कि डेटा संग्रह और

विश्लेषण उपकरण को चार्ट, मानचित्र और आरेखों की एक श्रृंखला के रूप में परिभाषित किया जाता है, जो अनुप्रयोगों और उद्योगों की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए डेटा एकत्र करने, व्याख्या करने और प्रस्तुत करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। **संचालन आयोजन सचिव डॉ. धर्मेंद्र कुमार यादव, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ ऐंड फैमिली वेल्फेयर अंडर द मिनिस्ट्री ऑफ फैमिली वेल्फेयर, नई दिल्ली तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता श्वेता सिंह, चेयरमैन मनराज कुंवर सिंह एजूकेशनल सोसाइटी, लखनऊ द्वारा किया गया। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. परीक्षित सिंह ने सभी अतिथियों सहित प्रतिभागियों का स्वागत किया।**

फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के पांचवें दिन

दिनांक 25.10.2024 को महाविद्यालय एवं साइंस टेक इंस्टीट्यूट लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सप्तदिवसिय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के पांचवें दिन मुख्य वक्ता डॉ. गगन दीप कौर, एसोसिएट प्रोफेसर, सामुदायिक चिकित्सा विभाग, यूपीयूएमएस, सैफई थे। कार्यक्रम का विषय 'डेटा विश्लेषण तकनीक पैरामीट्रिक और गैर पैरामीट्रिक परीक्षण था। विषय पर बोलते हुए उन्होने कहा कि पैरामीट्रिक परीक्षण इस धारणा पर निर्भर करता है कि जिस डेटा का आप परीक्षण करना चाहते हैं वह सामान्य रूप से वितरित है (या लगभग है)। आपका डेटा सममित होना चाहिए, क्योंकि सामान्य रूप से वितरित डेटा सममित होता है। यदि आपके डेटा में उपयुक्त गुण नहीं हैं तो आप एक

गैर–पैरामीट्रिक परीक्षण का उपयोग करते हैं। **कार्यक्रम के संयोजक प्रो. परीक्षित सिंह ने सभी अतिथियों सहित प्रतिभागियों का स्वागत किया।**

प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के विद्यार्थियों द्वारा एम.ए. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों का अभिनन्दन समारोह

दिनांक 26.10.2024 को महाविद्यालय के प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के विद्यार्थियों द्वारा एम.ए. प्रथम वर्ष के अभिनन्दन समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि परम्परा के निर्वहन व प्रगति के प्रदर्शन के लिए इस प्रकार के कार्यक्रम को प्रोत्साहित करते है। समाज में संस्कारित विद्यार्थी एक सभ्य समाज के निर्माण में सहयोगी बनते हैं। हमारी भारतीय परम्परा नवागत का स्वागत एवं वरिष्ठ के सम्मान में हमें तत्पर करती है। **सांस्कृतिक प्रकोष्ठ की प्रभारी प्रो. अर्चना सिंह ने कहा कि** हमारे विद्यार्थी अपनी रूचि के क्षेत्र में आगे बेहतर और अपेक्षित योगदान दें तो इस देश की प्रगति में सम्यक प्रयास होगा। **डॉ. सुरेन्द्र चौहान, प्रभारी, प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आप सभी जीवन में एक बेहतर विद्यार्थी के उद्देश्यों को साथ लेकर आगे बढ़े और अपने परिवार के साथ ही महाविद्यालय के सम्मान में वृद्धि करे ऐसी अपेक्षा व शुभकामना हैं। कार्यक्रम में सनी कुमार को मिस्टर फ्रेशर एवं चॉदनी सिंह को मिस फ्रेशर चुना गया।**

बी.एड. छात्र परिषद् का गठन तथा नवागत छात्र परिचय एवं स्वागत समारोह कार्यक्रम का आयोजन

दिनांक 26.10.2024 को महाविद्यालय के शिक्षक–शिक्षा विभाग में बी.एड. छात्र परिषद का गठन तथा नवागत छात्रों के परिचय एवं स्वागत कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के औपचारिक शुरुआत शुभारम्भ शिक्षक–शिक्षा विभाग के प्रभारी एवं अन्य प्राध्यापकगणों द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण, पुष्पांजलि एवं दीप प्रज्जवलन कर की गई। इसके पश्चात बी०एड० तृतीय सेमेस्टर के प्रशिक्षु शालू त्रिपाठी, श्वेता चौधरी एवं अंशु राव के द्वारा सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम के प्रथम चरण में सत्र 2024–25 हेतु बी.एड. छात्र परिषद के गठन का कार्यक्रम संपन्न हुआ। परिषद गठन के अवसर पर सर्वप्रथम डॉ. सुभाष चंद्र ने इस परिषद के गठन के उद्देश्यों से समस्त प्रशिक्षुओं को अवगत कराया। इसके पश्चात बी.एड परिषद के सभी पदाधिकारियों का चयन सर्वसम्मति से निर्विरोध रूप से हुआ। अध्यक्ष पद पर अनंतकीर्ति आनंद और उपाध्यक्ष पद पर वैष्णवी दूबे बी.एड. द्वितीय वर्ष से तथा बी.एड. प्रथम वर्ष से प्रद्युम्न दूबे मंत्री पद और हर्षिता कश्यप सह मंत्री पद पर चुने गए। आकाश उपाध्याय, सोनू कुमार गौड़, अंशू राव, रवि प्रकाश सामंत, आदित्य कुमार पांडेय एवं हेमा गुप्ता सांस्कृतिक मंत्री पद पर नियुक्त किए गए। वीरेंद्र कुमार यादव का कक्षा प्रतिनिधि पद पर चयन हुआ। मीडिया प्रभारी पद पर धर्मेन्द्र यादव, अन्नू गौतम, प्रेम प्रकाश व सन्नु गौतम का चयन किया गया। पुस्तकालय मंत्री पद के लिए अनुराग चौधरी, रानी रजनी, सुधीर कुमार व नंदनी मिश्रा को चुना गया। इस अवसर पर स्वच्छता, अनुशासन तथा पर्यावरण समितियों का भी गठन किया गया। कार्यक्रम के दौरान ही

अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर ''सशक्त एवं समर्थ भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिक'' विषय पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया। इस प्रतियोगिता में बी०एड० प्रथम सेमेस्टर के इशिता यादव एवं तृतीय सेमेस्टर के शालू त्रिपाठी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रथम सेमेस्टर के तन्नु जायसवाल एवं आकांक्षा राव एवं तृतीय सेमेस्टर के धर्मेन्द्र यादव एवं विन्देश्वर तिवारी ने संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान प्राप्त किया तथा प्रथम सेमेस्टर के रविप्रकाश सामंत एवं तृतीय सेमेस्टर के निशा यादव ने तृतीय स्थान सुनिश्चित किया।

कार्यक्रम के द्वितीय चरण में द्वितीय वर्ष के प्रशिक्षुओं द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं क्विज के द्वारा प्रथम वर्ष के प्रशिक्षुओं में से मिस्टर फ्रेशर एवं मिस फ्रेशर का चयन किया गया। मिस्टर फ्रेशर के रूप में सुधीर कुमार और मिस फ्रेशर के रूप में हेमा गुप्ता को चुना गया।

सप्तदिवसिय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के छठवें दिन

दिनांक 26.10.2024 को महाविद्यालय एवं साइंस टेक इंस्टीटूट लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सप्तदिवासिय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के छठवें दिन मुख्य वक्ता डॉ अनामिका, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली थे। कार्यक्रम का विषय 'व्यवस्थित समीक्षा और मेटा विश्लेषण रिसर्च एथिक्स, पेटेंट, कॉपीराइट और साहित्यिक चोरी' विषय बोलते हुए मुख्य वक्ता ने कहा कि पाठकों को गुमराह करने और धोखा देने के लिए परिणामों में हेरफेर करने के लिए चुनिंदा डेटा को गढ़ना, गलत साबित करना और रिपोर्ट करना बेहद अनैतिक है। हम मूल शोध के लेखकों

को सलाह देते हैं कि वे प्रस्तुत करने से पहले प्रयोग, सर्वेक्षण, साक्षात्कार या अन्य प्राथमिक और माध्यमिक से एकत्र किए गए डेटा पर किए गए किसी भी डेटा विश्लेषण का रिकॉर्ड बनाए रखें। **प्रो. ओम प्रकाश सिंह, प्राचार्य, दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज गोरखपुर ने स्वागत एवं कार्यक्रम के संयोजक प्रो. परीक्षित सिंह ने सभी के प्रति आभार ज्ञापन किया।**

'फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में दिग्विजयनाथ पी.जी.कॉलेज के छः शिक्षक अवॉर्ड से सम्मानित'

दिनाँक 27 अक्टूबर 2024 को महाविद्यालय एवं साइंस टेक इंस्टीटूट लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सप्तदिवासिय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के समापन समारोह में मुख्य अतिथि प्रो. राजेश शुक्ल यूनिवर्सिटी ऑफ़ लखनऊ की उपस्थिति में फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागी शिक्षकों एवं शोधकर्ताओं को उनके द्वारा प्रस्तुत शोध पत्रों के आधार पर सर्वश्रेष्ठ युवा शोधकर्ता, बेस्ट फैकल्टी, सर्वश्रेष्ठ युवा वैज्ञानिक, बेस्ट यंग फैकल्टी, सर्वश्रेष्ठ निदेशक, सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता एवं बेस्ट ओरल प्रेजेंटेशन और बेस्ट पोस्टर प्रेजेंटेशन अवार्ड से सम्मानित किया गया।

उक्त कार्यक्रम में दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर के छः शिक्षकों डा सुभाष चंद्र, सहायक आचार्य, बी.एड. विभाग, डा. राम प्रसाद यादव,सहायक आचार्य, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग, डॉ. पवन कुमार पाण्डेय, सहायक आचार्य, कंप्यूटर विज्ञान विभाग, डॉ. सूरज कुमार शुक्ला, सहायक आचार्य, गणित विभाग, डॉ. मनीष श्रीवास्तव, सहायक आचार्य, रसायन विज्ञान विभाग एवं डॉ. दीपक साहनी, सहायक आचार्य, वाणिज्य विभाग को सर्वश्रेष्ठ युवा वैज्ञानिक एवं बेस्ट फैकल्टी अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

हिन्दी, संस्कृत व अंग्रेजी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में युगपुरुष महन्त दिग्विजयनाथ स्मृति व्याख्यानमाला

दिनांक 28.10.2024 को महाविद्यालय के हिन्दी, संस्कृत व अंग्रेजी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में युगपुरुष महन्त दिग्विजयनाथ स्मृति व्याख्यानमाला : 2024–25 के अन्तर्गत 'लोक चेतना के अभ्युदय में नाथ पंथ एवं राम मन्दिर आन्दोलन' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

व्याख्यान में मुख्य वक्ता प्रो. योगेन्द्र प्रताप सिंह, हिन्दी विभाग, इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय, प्रयागराज थे। अपने उद्बोधन में उन्होने कहा कि नाथ पंथ से दुनिया के लोग सामान्य रूप से परिचित हैं, किन्तु गोरखपुर के लोग सौभाग्यशाली हैं कि वे नाथ पंथ से करीब से जुड़े हैं। अध्यात्म भारत के जड़ में है, क्योंकि देश की आध्यात्मिक चेतना बड़ी प्रबल व महत्वपूर्ण है। भारत में अनपढ़ व्यक्ति की भी अपनी एक आध्यात्मिक समझ व्याप्त है। भारत में सामाजिक पुनर्जागरण का शंखनाद महायोगी गुरू गोरखनाथ जी ने किया। नाथ पंथ ने सामाजिक समरसता को बढ़ाने व गुरू के प्रति समर्पण के भाव को सदैव ही विशेष महत्व दिया है। **कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रो. अजय सिंह प्राणि विज्ञान विभाग दी0द0उ0 गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर थे। उन्होंने कहा कि नाथ पंथ** ने हमेशा ही समाज को जोड़ने का कार्य किया है, जो एक मार्ग–दर्शक की भॉति हमारा मार्ग प्रशस्त करती रही है। समस्त मध्यकालीन भक्ति साहित्य महायोगी गुरू गोरखनाथ एवं नाथ पंथ की साहित्यिक चेतना से प्रतिबिम्बित है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि भारत का इतिहास शौर्य की अनुभूति कराने वाला इतिहास रहा है, जिसके मूल में हमारे संतों का विशेष मार्ग–दर्शन रहा है, नाथ परम्परा का जबसे संगठित इतिहास मिलता है, उससे यह स्पष्ट होता है कि गुरू गोरखनाथ जी एवं नाथ पंथ ने समाज में व्याप्त विषमता को दूर करने का कार्य किया।

'ओडीएफ-इण्डिया' एवं 'पी.एम. सौभाग्य योजना' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन

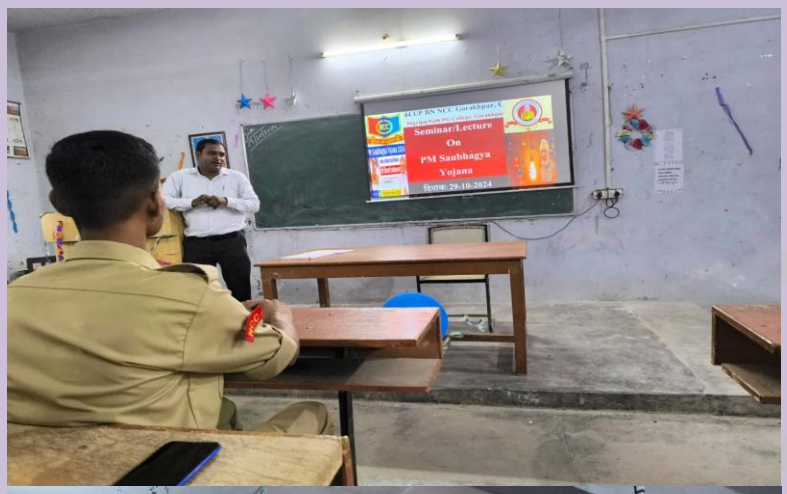

दिनांक 28.10.2024 को 44 यूपी वाहिनी एन.सी.सी., गोरखपुर के तत्वावधान में एन.सी.सी. प्लाटून/कम्पनी द्वारा 'ओडीएफ–इण्डिया' एवं 'पी.एम. सौभाग्य योजना' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी कार्यक्रम के प्रथम चरण में एनसीसी सी.टी.ओ. डॉ. सुभाष चन्द्र ने 'ओडीएफ–इण्डिया' विषय पर उद्बोधन देते हुए कहा कि ओडीएफ़–इंडिया से अभिप्राय है खुले में शौच से मुक्त (Open Defecation Free) भारत। इस सरकारी अभियान के तहत, गांवों को खुले में शौच से मुक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। **संगोष्ठी कार्यक्रम के द्वितीय चरण में एनसीसी सी.टी.ओ. डॉ. सुभाष चन्द्र ने 'पी.एम. सौभाग्य योजना' विषय पर उद्बोधन देते हुए कहा कि** प्रधानमंत्री सौभाग्य योजना को प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना के नाम से भी जाना जाता है। इस योजना को सर्वप्रथम सितंबर 2017 में आरंभ किया गया था। इस योजना का उद्देश्य देश के सभी परिवारों को मुफ्त में बिजली का कनेक्शन देना है।

राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस व प्राचार्य जी के सफलतम कार्यकाल के तीन वर्ष पूर्ण होने पर महाविद्यालय द्वारा सम्मान समारोह

दिनांक 29.10.2024 को महाविद्यालय में राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस व महाविद्यालय के प्राचार्य, प्रो. ओम प्रकाश सिंह के सफलतम कार्यकाल के तीन वर्ष पूर्ण होने पर महाविद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मचारी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रभारी, हिन्दी विभाग, प्रो. नित्यानन्द श्रीवास्तव, ने कहा कि अनुभव प्रायः स्मृतियों के रूप में होते है। प्राचार्य जी ने अपने कार्यकाल में वरिष्ठों के सम्मान व कनिष्ठों के पहचान के संरक्षण में कुशलतम कार्य किया है। बी.एड. विभाग की प्रभारी प्रो. शुभ्रा श्रीवास्तव ने वर्तमान बेहतर माहौल के आगे भी बने रहने हेतु अपनी शुभकामनाएँ व्यक्त किया।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने समस्त शिक्षकों व कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इस सफलतम कार्यकाल हेतु सबके सम्यक प्रयास की बात कही। उन्होंने आगे कहा कि हमारे विद्यार्थी व अभिभावक ही हमारे प्रचार–प्रसार के माध्यम है। इसके साथ ही एन. सी.सी., एन.एस.एस. व रोवर्स–रेंजर्स के स्वयं सेवकों की सामाजिक सहभागिता में बेहतर भूमिका महाविद्यालय की पहचान को व्यक्त करती है।

डॉ. पवन कुमार पाण्डेय को 'इंटरैक्टिव सोशल मीडिया इंगेजमेंट डिवाइस फॉर ब्रांड प्रमोशन' पर पेटेंट कार्यालय भारत सरकार से मिला पेटेंट ग्रांट

INTELLECTUAL PROPERTY INDIA

ORIGINAL
क्रम सं/ Serial No. : 183082

पेटेंट कार्यालय, भारत सरकार | The Patent Office, Government Of India

डिजाइन के पंजीकरण का प्रमाण पत्र | Certificate of Registration of Design

डिजाइन सं. / Design No. : 424994-001

तारीख / Date : 29/07/2024

पारस्परिकता तारीख / Reciprocity Date* :

देश / Country :

प्रमाणित किया जाता है कि संलग्न प्रति में वर्णित डिजाइन जो *INTERACTIVE SOCIAL MEDIA ENGAGEMENT DEVICE FOR BRAND PROMOTION* से संबंधित है, का पंजीकरण, श्रेणी 14-02 में 1.Dr. Lalit Kumar 2. Mr. Harish Kumar Saini 3.Dr. Pawan Kumar Pandey 4.Mr. Bhavinder Singh Lobana 5.Dr. Kadambari 6.Prof (Dr.) Minesh Jain 7.Mr. Pulkit Sharma 8.Dr. Krishan Kant Sharma 9.Mr. Suminder Meerwal 10.Mr. Ankur Mangla के नाम में उपर्युक्त संख्या और तारीख में कर लिया गया है।

Certified that the design of which a copy is annexed hereto has been registered as of the number and date given above in class 14-02 in respect of the application of such design to *INTERACTIVE SOCIAL MEDIA ENGAGEMENT DEVICE FOR BRAND PROMOTION* in the name of 1.Dr. Lalit Kumar 2. Mr. Harish Kumar Saini 3.Dr. Pawan Kumar Pandey 4.Mr. Bhavinder Singh Lobana 5.Dr. Kadambari 6.Prof (Dr.) Minesh Jain 7.Mr. Pulkit Sharma 8.Dr. Krishan Kant Sharma 9.Mr. Suminder Meerwal 10.Mr. Ankur Mangla.

डिजाइन अधिनियम, 2000 तथा डिजाइन नियम, 2001 के अध्यधीन प्रावधानों के अनुसरण में।
In pursuance of and subject to the provisions of the Designs Act, 2000 and the Designs Rules, 2001.

जारी करने की तिथि / Date of Issue : 22/10/2024

महानियंत्रक पेटेंट, डिजाइन और व्यापार चिह्न
Controller General of Patents, Designs and Trade Marks

*पारस्परिकता तारीख (यदि कोई हो), जिसकी अनुमति दी गई है तथा देश का नाम। डिजाइन का स्वत्वाधिकार पंजीकरण की तारीख से दस वर्षों के लिए होगा जिसका विस्तार, अधिनियम एवं नियम के निबंधनों के अधीन, पाँच वर्षों की अतिरिक्त अवधि के लिए किया जा सकेगा। इस प्रमाण पत्र का उपयोग विधिक कार्यवाहियों अथवा विदेश में पंजीकरण प्राप्त करने के लिए नहीं हो सकता है।

The reciprocity date (if any) which has been allowed and the name of the country. Copyright in the design will subsist for ten years from the date of Registration, and may under the terms of the Act and Rules, be extended for a further period of five years. This Certificate is not for use in legal proceedings or for obtaining registration abroad.

दिनांक 29.10.2024 को महाविद्यालय के शिक्षक डॉ पवन कुमार पाण्डेय, कंप्यूटर विज्ञान विभाग को 'इंटरैक्टिव सोशल मीडिया इंगेजमेंट डिवाइस फॉर ब्रांड प्रमोशन' पर पेटेंट कार्यालय, भारत सरकार से पेटेंट ग्रांट प्राप्त हुआ है। डॉ. पवन ने बताया की उनकी टीम द्वारा जुलाई माह में ब्रांड प्रमोशन के लिए इंटरैक्टिस सोशल मीडिया एंगेजमेंट डिवाइस का डिजाइन तैयार किया गया एवं भारतीय पेटेंट कार्यालय में डिजाइन पर ग्रांट हेतु पंजीकृत कराया गया। इसके पश्चात पंजीकृत डिजाइन पर पेटेंट कार्यालय द्वारा तीन माह के रिव्यू के पश्चात यह सुनिश्चित होने के बाद कि पूर्व में इस प्रकार का कोई भी डिजाइन क्लेम प्राप्त नहीं हुआ है यह पेटेंट ग्रांट का प्रमाण पत्र जारी किया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो ओम प्रकाश सिंह ने डॉ. पवन एवं उनकी टीम को शुभकामनाएं देते हुए कहा की महाविद्यालय सहित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के लिए एक बार फिर से यह ऐतिहासिक पल है। इंटरैक्टिव डिवाइस डिजाइन पेटेंट ग्रांट प्राप्त कर डॉ पवन ने हमें गौरवान्वित किया है।